गये वहां पर। होता क्या था पैट्रोल में कैरोसिन मिलता था। वह मिलने का क्रम चलता था। उसमें पैसा बनता था। हुआ क्या बाद में जो वह पैट्रोल चला गया, कैरोसिन मिला हुआ पैट्रोल, एडल्ट्रेटेड पैट्रोल बाजार में गया, उसमें कुछ पैट्रोल रह गया। गलती से कैरोसिन उसमें डाल दिया .....**(व्यवधान)** गया सारा और वह कैरोसिन बिक्री हो गया सारा You are trying to simplify the whole thing.

उपसभापति: मंत्री जी ने यही का जो आपने कहा। आपने रिपीट किया है।

श्री सतीश अग्रवाल: यह उन्होंने नहीं कहा। उन्होंने कहा कि पैट्रोल में कैरोसिन मिलता है। कैरोसिन में पैट्रोल कैसे मिलता है। कैरोसिन में पैट्रोल ऐसे मिलता है .....**(व्यवधान)** यह ब्लास्टिंग के कैसेज हैं, एक्सीडेंट के कैसेज नहीं है। जो आप इन्क्वायरी की रिपोर्ट है वह दे दीजिए। आप हमको इन्क्वायरी रिपोर्ट दिलवा दीजिए।

श्री शिवचरण सिंह: मरे हुए लोगों को मुआवजा क्यों नहीं दिया.....**(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

News Item Regarding Vizag Refinery

*625. SHRI SURESH KALMADI: Will the Miaister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state

(a) whether the attention of Government has been drawn to the news item published in the Times of India of 13th April, 1994 under the caption "Vizag refinery face, partial shut down" and ;

(b) if so what steps Government propose to take to meet the situation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) & (b) Vizag Refinery has a running contract with Visakhapatnam Municipal Corporation (VMC) to supply water to the refinery about 17 lakh Imperial Gallons per day VMC is supplying from April, 1994 about 8 lakh Imperial Gallons of water per day to Vizag Refinery against the normal supply of about 12 lakh Imperial Gallons per day. Therefore, Vizag Refinery has made arrangement of 2 lakh Imperial Gallons per day from alternative sources, including the augmentation from own bore-wells inside the refinery premises. The refinery has also taken measures to conserve water. These measures taken by the management have avoided presently shut-down of its plants.

The Ministry of Petroleum & Natural Gas has also requested the State Government to restore the water supply as per the running contract between HPCL and Visakhapatnam Municipal Corporation.

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के वन विभाग के सागौन और अन्य वृक्षों का डूब जाना

*626. **श्री शिव प्रसाद चनपुरिया:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वन विभाग और कृषकों के मूल्यवान सागौन और अन्य वृक्षण मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के सगौना जलाशय के डूब क्षेत्र में खड़े हैं;

(ख) वन विभाग और भू-स्वामियों के डूब क्षेत्र में खड़े वृक्षों की संख्या एवं उनके अनुमानित मूल्य का अलग-अलग ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या भूस्वामियों को डूब क्षेत्र में खड़े वृक्षों को काटकर ले जाने की अनुमति प्रदान की जाएगी और यदि ऐसी अनुमति प्रदान नहीं की जाती है, तो क्या उन्हें इन वृक्षों के लिए मुआवजा दिया जाए?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) राज्य सरकार द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के सागौन जलाशय में राज्य वन विभाग की कोई भूमि नहीं डूबी है। केवल वनेत्तर भूमि और वृक्ष, जो वन विभाग से संबद्ध नहीं है, ही डूब क्षेत्र में आते हैं।

(ख) और (ग) सागौना जलाशय के डूब क्षेत्र के वृक्षों का मूल्यांकन, उन्हें काटने और उनकी क्षतिपूर्ति के भुगतान के मामले में राज्य सरकार द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है।